हज़ार वर्षों के बाद धोखा खाने वाले लोग कहाँ से आएंगे?

यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि हम जानते हैं कि हज़ार वर्ष के शासन (जिसे सहस्राब्दी कहा जाता है) के दौरान केवल संत — जो मसीह के प्रति वफादार हैं — उनके साथ राज्य करेंगे। तो, इस समय के बाद शैतान किन लोगों को धोखा देगा?

बाइबिल इसका उत्तर प्रकटवाक्य 20:7-9 में देती है:

“और जब हज़ार वर्ष पूरे हो जाएंगे, तो शैतान को उसकी कैद से आज़ाद किया जाएगा, और वह पृथ्वी के चारों कोनों—गोग और मागोग—में जातियों को धोखा देने जाएगा, उन्हें युद्ध के
लिए इकट्ठा करेगा। उनकी संख्या समुद्र के किनारे की रेत के समान है। वे पृथ्वी की चौड़ाई में चले और परमेश्वर के लोगों
के शिविर को घेर लिया, उस नगर को जिसे वह प्रेम करता है।
परन्तु आकाश से आग उतरी और उन्हें भस्म कर दिया।”

व्याख्या:
सहस्राब्दी के दौरान, मसीह पृथ्वी पर शारीरिक रूप से राजा के रूप में शासन करेंगे (प्रकटवाक्य 20:4)। यद्यपि पाप और पापी अभी भी होंगे, पर पाप का अधिकार नहीं होगा क्योंकि यीशु—शांति के राजकुमार (यशायाह 9:6)—पूर्ण न्याय और सत्ता के साथ शासन करेंगे। वर्तमान में शैतान को “इस जगत का शासक” कहा जाता है (यूहन्ना 12:31), लेकिन सहस्राब्दी में ऐसा नहीं होगा।

हज़ार वर्षों के बाद धोखा खाने वाले लोग कहाँ से आएंगे?

इस शासन में पापियों की उपस्थिति यह नहीं दिखाती कि पाप विजयी है, बल्कि इसका अर्थ है कि लोग प्राकृतिक रूप से जन्म लेंगे और आज्ञाकारिता या विद्रोह का चुनाव करने की स्वतंत्र इच्छा रखेंगे। धार्मिक संत मसीह के साथ शासन करेंगे और उनके पास “लोहे की छड़ी” द्वारा प्रतीकात्मक अधिकार होगा, जैसा कि प्रकटवाक्य 2:26-27 में लिखा है:

“जो विजयी होगा और अंत तक मेरी आज्ञा पूरी करेगा, मैं उसे राष्ट्रों पर अधिकार दूँगा। वे उन्हें लोहे की छड़ी से
शासित करेंगे और उन्हें मिट्टी के बर्तन की तरह चूर कर
देंगे, जैसा कि मुझे मेरे पिता से अधिकार प्राप्त हुआ है।”

यह “लोहे की छड़ी” दृढ़ और संप्रभु अधिकार का प्रतीक है, जिसमें विद्रोह के लिए कोई सहिष्णुता नहीं है। सहस्राब्दी मसीह के न्यायपूर्ण शासन के तहत शांति और व्यवस्था का समय होगा, लेकिन जो लोग पाप में डटे रहेंगे, उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।

यशायाह 65:17-20 इस नवीनीकृत युग के जीवन की प्रकृति को और स्पष्ट करता है:

हज़ार वर्षों के बाद धोखा खाने वाले लोग कहाँ से आएंगे?

“देखो, मैं नए आकाश और नई पृथ्वी बनाऊँगा; और उनमें पहले की बातें याद न रहेंगी, न उनके मन में आएंगी। वहाँ शिशु कुछ ही
दिन जिएगा, और वृद्ध अपने वर्षों को पूरा न करेगा; जो सौ
वर्ष की आयु में मरेगा उसे बालक समझा जाएगा, और जो सौ वर्ष तक
न पहुंचे उसे अभिशप्त कहा जाएगा।”

यह पद बताता है कि लोग लंबे और आनंदित जीवन जीएंगे, लेकिन इस समय जन्म लेने वालों के लिए पाप और मृत्यु अभी भी मौजूद रहेंगे। इसलिए, सहस्राब्दी में मिश्रित आबादी होगी — मसीह के साथ शासन करने वाले विश्वासी और अन्य जो पाप करने में सक्षम होंगे।

सहस्राब्दी के अंत में, शैतान उन राष्ट्रों को परखने के लिए मुक्त किया जाएगा जो इस शासन के दौरान जन्मे हैं। कई लोग परमेश्वर के लोगों के खिलाफ विद्रोह करने के लिए धोखा खाएंगे (प्रकटवाक्य 20:7-9)। लेकिन परमेश्वर का न्याय तेज और निर्णायक होगा — आकाश से आग उतरेगी और विद्रोहियों को नष्ट कर देगी।

इसके बाद अंतिम न्याय होगा, जिसे महान श्वेत सिंहासन न्याय कहा जाता है (प्रकटवाक्य 20:11-15), जहाँ सभी दुष्ट—शैतान और उसके अनुयायियों सहित—को अग्नि की झील में फेंक दिया जाएगा, जिससे पाप और बुराई हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी।

हज़ार वर्षों के बाद धोखा खाने वाले लोग कहाँ से आएंगे?

जो लोग वफादार रहे, वे परमेश्वर के साथ अनंत काल में प्रवेश करेंगे, जहाँ अब मृत्यु या दुःख नहीं होगा (प्रकटवाक्य 21:1-4)।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp